भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *119
दिनांक 09 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

महिलाओं में रक्ताल्पता और बच्चों में कुपोषण

*** 119. श्री संजय सेठ:**

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) देश में रक्ताल्पता से पीड़ित महिलाओं और कुपोषण से पीड़ित बच्चों की राज्य-वार संख्या कितनी है;
(ख) उक्त मुद्दों के समाधान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) झारखंड में ऐसी महिलाओं और बच्चों की जिला-वार संख्या कितनी है; और
(घ) उक्त मुद्दे के समाधान के लिए झारखंड को उपलब्ध कराए गए संसाधनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास मंत्री
(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क)से (घ) : विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

<u>"महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) और बच्चों में कुपोषण" के संबंध में श्री संजय सेठ द्वारा 09.02.2024 को पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 119 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।</u>

(क) से (घ) 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल में 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों (14 - 18 वर्ष) के लिए पोषण संबंधी सहायता के घटक; प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा [3-6 वर्ष]; आधुनिक, उन्नत सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण अभियान और किशोरियों की स्कीम सहित आंगनवाड़ी बुनियादी ढांचे को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत पुनर्गठित किया गया है। मिशन पोषण 2.0 में बौनेपन और रक्ताल्पता के अलावा दुबलेपन और कम वजन के प्रसार को कम करने के लिए मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चे के आहार मानदंड, एमएएम/एसएएम के उपचार और आयुष पद्धतियों के माध्यम से कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य पोषण सामग्री, वितरण, आउटरीच और परिणामों को सुदृढ़ करना है तथा उन पद्धतियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना है जो स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और रोग एवं कुपोषण के प्रति प्रतिरक्षा को बढ़ाते हैं। इसमें बौनेपनन और रक्ताल्पता के अलावा दुबलेपन और कम वजन के प्रसार को कम करने के लिए मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चे के आहार मानदंड, एमएएम/एसएएम के उपचार और आयुष पद्धतियों के माध्यम से कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

पोषण 2.0 के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश के मानव पूंजी विकास में योगदान देना;
- कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना;
- स्थायी स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए पोषण जागरूकता और अच्छी खान-पान की आदतों को बढ़ावा देना; और
- प्रमुख कार्यनीतियों के माध्यम से पोषण संबंधी कमियों को दूर करना।

इसके अलावा, रक्ताल्पता (एनीमिया) से जुड़े मुद्दों को सर्वाधिक महत्व देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा पोषण अभियान के तहत "एनीमिया से संबंधित विशेष विषय" शुरू किए गए हैं, जिसमें अब तक एनीमिया पर लगभग 6 करोड़ कार्यकलाप किए जाने की सूचना दी की गई है। सितंबर, 2023 में हाल ही में आयोजित पोषण माह में 35 करोड़ से अधिक संवेदीकरण कार्यकलाप की सूचना दी गई है, जिनमें से लगभग 4 करोड़ रक्ताल्पता (एनीमिया) पर केंद्रित थे। मंत्रालय ने देश भर में बाजरा अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए हैं। अब तक जनआंदोलनों के माध्यम से पिछले दो वर्षों में बाजरा संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करते हुए 5 करोड़ से अधिक जागरूकता कार्यकलाप आयोजित किए गए हैं, जिससे लक्षित लाभार्थियों को संवेदीकरण और

स्वस्थ, बाजरा-आधारित खाने की पद्धतियों को अपनाने से रक्ताल्पता (एनीमिया) का मुकाबला करने में मदद मिली है।

राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को कुपोषण और इससे संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए आयुष पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा देने की भी सलाह दी गई है। बच्चों में **कुपोषण के सामुदायिक प्रबंधन के लिए पहला राष्ट्रीय प्रोटोकॉल** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 10 अक्टूबर, 2023 को लॉन्च किया गया था जिसमें आंगनवाड़ी स्तर पर कुपोषित बच्चों की पहचान और प्रबंधन के लिए विस्तृत कदम उठाए जाने का प्रवधान किया गया है। इसमें रेफरल, पोषण प्रबंधन और अनुवर्ती देखरेख के लिए निर्णय लेना शामिल है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं और प्रजनन आयु वर्ग की कुपोषित गर्भवती महिलाओं के लिए क्षेत्र-वार आहार चार्ट भी तैयार किया गया है और राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को भेजा गया है।

रक्ताल्पता(एनीमिया) सहित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार हैं:

i. **रक्ताल्पता (एनीमिया) मुक्त भारत (एएमबी)** कार्यनीति छह आयु वर्ग के लाभार्थियों- बच्चों (6-59 महीने), बच्चों (5-9 वर्ष), किशोरों (10-19 वर्ष), गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं,प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की महिलाओं में रक्ताल्पता को कम करने के लिए सुदृढ़ संस्थागत तंत्र के माध्यम से छह कार्यकलाप क्रियान्वित करते हुए जीवन चक्र दृष्टिकोण में क्रियान्वित की जाती है। रक्ताल्पता (एनीमिया) की समस्या के समाधान के लिए उठाए गए कदमों में शामिल हैं :
   - सभी छह लक्षित आयु समूहों में रोगनिरोधी आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण
   - साल भर गहन व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) अभियान,
   - गर्भवती महिलाओं और स्कूल जाने वाली किशोरियों पर विशेष ध्यान देते हुए डिजिटल तरीकों और देखरेख सुविधा बिंदु का उपयोग करके रक्ताल्पता (एनीमिया) का परीक्षण करना,
   - मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपैथी और फ्लोरोसिस पर विशेष ध्यान देतु हुए स्थानिक इलाकों में रक्ताल्पता (एनीमिया) के गैर-पोषण संबंधी कारणों का समाधान करना
   - उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में गंभीर रक्ताल्पता वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए एएनएम को वित्तीय प्रोत्साहन देना
   - आईवी आयरन सुक्रोज/ब्लड ट्रांसफयूजन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं में गंभीर रक्ताल्पता (एनीमिया)की स्थिति का प्रबंधन

ii. **मासिक ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी)** आईसीडीएस के साथ अभिसरण में पोषण सहित मातृ एवं शिशु देखरेख के प्रावधान के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर एक आउटरीच कार्यकलाप है।

iii. गर्भवती महिलाओं को आहार, आराम, गर्भावस्था के खतरे के संकेत, लाभ योजनाओं और संस्थागत
प्रसव के बारे में शिक्षित करने के लिए **एमसीपी कार्ड और सुरक्षित मातृत्व पुस्तिका** वितरित की जाती है।

महिलाओं में रक्ताल्पता और बच्चों में कुपोषण का आंकड़ा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत जारी किया जाता है, जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण पोर्टल (http://rchiips.org/nfhs/factshield_nfhs-5.shtml) पर उपलब्ध है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में कुपोषण के संकेतकों जैसे कम वजन, बौनेपन और दुबलेपन में लगातार सुधार देखा गया है। एनएफएचएस-5 (2019-21) की हाल की रिपोर्ट के अनुसार, एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में 5 साल से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। बौनापन 38.4% से घटकर 35.5% हो गया है, जबकि दुबलापन 21.0% से घटकर 19.3% हो गया है और कम वजन का प्रचलन 35.8% से घटकर 32.1% हो गया है। दिसंबर 2023 के पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार, 6 साल से कम उम्र के लगभग 7.44 करोड़ बच्चों की माप की गई, जिनमें से 37% बच्चे बौने पाए गए और 17% बच्चे कम वजन वाले पाए गए, जबकि 5 साल से कम उम्र के 6.29% बच्चे दुबले पाए गए। पोषण ट्रैकर पर बताए गए कम वजन और दुबलेपन का स्तर एनएफएचएस-5 द्वारा अनुमानित स्तर से बहुत कम है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत विभिन्न कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2023-24 (दिसंबर 2023 तक) की अवधि के लिए झारखंड राज्य को 1,17,289.19 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा, राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों पर 39,776 स्मार्टफोन और 38,432 ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस (जीएमडी) उपलब्ध कराए गए हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन पर लाभार्थियों के आंकड़ों के साथ-साथ मिशन से संबंधित आंकड़े भी भी दर्ज कर रही हैं। झारखंड राज्य में पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की जिलेवार संख्या **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, झारखंड राज्य को पोषण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन (रक्ताल्पता मुक्त भारत, राष्ट्रीय कृमि निवारण दिवस, मातृ पूर्ण स्नेह, स्तनपान प्रबंधन केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र, विटामिन ए अनुपूरण) के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 8578.42 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7943.52 लाख रुपये आंवटित किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक- I

"महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) और बच्चों में कुपोषण" के संबंध में श्री संजय सेठ द्वारा 09.02.2024 को पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 119 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

जिला	स्तनपान कराने वाली माताएं	गर्भवती महिलाएं	बच्चे (0-6 माह)	बच्चे (6 माह-3 वर्ष)	बच्चे (3-6 वर्ष)
बोकारो	7828	9996	6183	66520	71121
चतरा	5570	8031	4046	51910	51303
देवघर	6435	8866	5016	64809	71216
धनबाद	7992	9523	6852	66740	77169
दुमका	5685	7986	5260	56725	82051
पूर्वी सिंहभूम	7854	10257	6837	63453	54026
गढ़वा	6223	9329	3674	63878	56807
गिरिडीह	10158	13548	8709	110726	152211
गोड्डा	6994	8783	5749	68766	82412
गुमला	4210	6014	4133	46828	49783
हज़ारीबाग	8150	12673	6372	76479	56513
जामताड़ा	3613	5158	3310	34581	38516
खूंटी	2567	3485	2539	23597	21626
कोडरमा	3945	5062	3254	30214	33636
लातेहार	3259	5259	2521	39669	42442
लोहरदगा	2414	3618	2106	24933	26525
पाकुर	4983	7363	5004	57775	64306
पलामू	11344	14773	8550	97111	97893
रामगढ़	3638	5135	3489	30982	28769
रांची	8688	13140	8357	88837	86767
साहिबगंज	6489	11148	5023	75673	90997
सरायकेला-खरसांवा	5101	6753	5073	41528	43166
सिमडेगा	1998	2822	1873	23038	27184
पश्चिमी सिंहभूम	6883	8742	6514	70655	76429
कुल	142021	197464	120444	1375427	1482868